



## बजट 2024: राजकोषीय वविकशीलता और रणनीतिक नविश

यह एडिटरियल 24/07/2024 को 'फाइनेंशियल एक्सप्रेस' में प्रकाशित "Of prudence and plumbing: The Budget is fiscally and financially prudent and correctly focuses on fixing the economy's plumbing" लेख पर आधारित है। इसमें नवीनतम बजट की राजकोषीय एवं ववित्तीय रणनीतियों के बारे में चर्चा की गई है और चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक परदृश्य के बीच बजट की वविकशीलता की प्रशंसा की गई है।

### प्रलमिस के लयि:

[केंद्रीय बजट](#), [संसद](#), [प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना \(PMGSY\)](#), [मुद्रा ऋण](#), [राजकोषीय समेकन](#), [पीएम गतशक्ति](#), [सारवजनिक ऋण/सकल घरेलू उत्पाद \(जीडीपी\)](#), [सीमा शुल्क](#), [प्रधानमंत्री कसिन सममान नधि \(PM-KISAN\)](#), [कृषतिकनीक नवाचार](#)।

### मेन्स के लयि:

भारतीय अर्थव्यवस्था के लयि राजकोषीय वविक और सरकारी नीतियों और हस्तकषेपों का महत्त्व।

वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल और घरेलू राजकोषीय चुनौतियों के इस दौर में बजट 2024 राजकोषीय वविक और रणनीतिक दूरदर्शिता का प्रतीक है, जसिका उद्देश्य भारत के आर्थिक आधार को सुदृढ़ करना है।

नवीनतम बजट में बहुआयामी रणनीति अपनाई गई है, जहाँ घाटे को [सकल घरेलू उत्पाद](#) के 4.9% (जो पछिले अनुमानों से कम है) तक सीमति रखते हुए [राजकोषीय समेकन](#) का लक्ष्य तय कया गया है, जबकि आर्थिक उछाल के बीच रूढ़िवादी राजस्व मान्यताओं को बनाए रखा गया है।

मज़बूत घरेलू वविकास के बावजूद, भारत का बढ़ता [सारवजनिक ऋण/सकल घरेलू उत्पाद](#) अनुपात सतर्क राजकोषीय प्रबंधन की अनविरयता को रेखांकित करता है, जसिसे फरि वसितारवादी नीतियों के लयि अवसर सीमति हो जाते हैं।

राजकोषीय एवं ऋण संबंधी बाधाओं के कारण सारवजनिक कषेत्र के नविश के अपनी सीमा तक पहुँच जाने के साथ स्वस्थकॉर्पोरेट बैलेंस शीट से प्रेरति नजिी कषेत्र आर्थिक वसितार को गता देने की ज़मिमेदारी उठाने के लयि तैयार है, हालाँकि इसके लयि बेहतर मांग दृश्यता की आवश्यकता होगी।

इस प्रकार, वैश्विक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से नपिटने और उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लयि भारतीय अर्थव्यवस्था के लयि त्वरति कार्यान्वयन अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।



# UNION BUDGET

A statement of the estimated receipts and expenditure of the Govt in an FY

## ARTICLE 112 (PART V)

- President of India to present the **Annual Financial Statement** for each FY before both Houses of Parliament

*The term 'Budget' is not mentioned anywhere in the Constitution of India*

## NODAL BODY FOR PREPARING BUDGET

- **Budget Division** (Dept of Economic Affairs, Ministry of Finance) in **consultation with NITI Aayog** and concerned Ministries

*The first Budget of Independent India was presented in 1947*

## MAJOR COMPONENTS OF BUDGET

- Estimates of **revenue and capital receipts**
- **Ways and means** to raise the revenue
- Estimates of **expenditure**
- Actual receipts/**expenditures of closing FY** (+ deficit/surplus)
- **Economic/financial policy** of upcoming FY

*Till 2017, the Govt of India had 2 budgets - Railway Budget and General Budget*

## STAGES OF BUDGET ENACTMENT

- Presentation
- **General discussion**
- **Scrutiny** by Dept Committees
- **Voting** on Demands for Grants
- Passing an **Appropriation Bill**
- Passing of **Finance Bill**

*What else does the Constitution of India provide for the Budget?*

- **Without the recommendation of the President:**
  - No demand for a grant can be made
  - No money bill imposing tax can be introduced
- No money can be withdrawn from the **Consolidated Fund of India** except under **appropriation** made by law
- **Role of Parliament:**
  - Money/Finance Bill (involving taxation) - introduced only in LS
  - Vote on the demand for grants - RS has no such power
  - Money/Finance Bill - to be returned to LS by RS in 14 days
    - LS may/may not accept the recommendations made by RS

## भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये बजट 2024 की मुख्य बातें:

- **मुद्रास्फीति प्रबंधन:** भारत की मुद्रास्फीति निम्न एवं स्थिर बनी हुई है और 4% के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है, जो व्यापक आर्थिक स्थिरता (macroeconomic stability) का संकेत है।
- **नरियात प्रतिसिपर्द्धात्मकता:** विभिन्न क्षेत्रों में सीमा शुल्क में कटौती का उद्देश्य नरियात प्रतिसिपर्द्धात्मकता को बढ़ाना है। बजट को व्यापार सदिधांत के अनुरूप रखा गया है, जिसमें इस बात पर बल दिया गया है कि आयात शुल्क में कमी करना प्रभावी रूप से नरियात संवर्द्धन रणनीति के रूप में कार्य कर सकता है।
- **कृषि और ग्रामीण विकास:** फसलों की 109 उच्च उपज देने वाली और जलवायु-अनुकूल कस्मों की पेशकश की गई है, जबकि इस वर्ष कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिये 1.52 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।
- **रोज़गार और कौशल:** 5 वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं को रोज़गार, कौशल और अवसर प्रदान करने के लिये 2 लाख करोड़ रुपए के परियोजनाओं के प्रधानमंत्री पैकेज की पेशकश की गई है।
- **मानव संसाधन विकास:** कार्यबल को सशक्त बनाने के लिये शिक्षा, कौशल विकास और स्वास्थ्य सेवा में निवेश का प्रस्ताव किया गया है।
- **शहरी विकास संबंधी पहलें:** शहरी गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की आवास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी 2.0 का शुभारंभ किया गया है।
- **ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना:** ऊर्जा संरक्षण, नवीकरणीय स्रोतों और संवहनीय ऊर्जा अभ्यासों पर केंद्रित नीतियों की पेशकश की गई है।
- **महिला सशक्तीकरण:** महिलाओं और बालिकाओं को लाभ पहुँचाने वाली योजनाओं के लिये 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक का आवंटन किया गया है।

## राजकोषीय वविकशीलता क्या है?

- **राजकोषीय वविकशीलता (Fiscal prudence)** से तात्पर्य सरकारी ववित्त के सावधानीपूर्वक प्रबंधन से है जिसका उद्देश्य राजकोषीय अनुशासन, संवहनीयता और स्थायित्व बनाए रखना है।
  - इसके व्यापक आर्थिक स्थिरता और दीर्घकालिक आर्थिक स्वास्थ्य की प्राप्ति के लिये सार्वजनिक व्यय, राजस्व सृजन, उधार और ऋण प्रबंधन के संबंध में ज़िम्मेदार नरिणय लेना शामिल है।

## बजट 2024 के संदर्भ में राजकोषीय वविक का क्या महत्त्व है?

- **समष्टि-स्तर पर प्रभाव:**
  - **ऋण संवहनीयता:** ववित्त वर्ष 2023-24 के लिये भारत का राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 4.9% तक रखने का लक्ष्य तय किया गया है (जो पछिले अनुमानों से कम है), जो घाटे को कम करने की प्रतबिद्धता को दर्शाता है। राजकोषीय स्वास्थ्य और ऋण संवहनीयता बनाए रखने के लिये यह कमी लाना महत्त्वपूर्ण है।
    - इसके लिये किये जाने वाले उपायों में ऋण का पुनर्ववित्तपोषण, ऋण परपिक्वता अवधको बढ़ाना और ववित्तपोषण के महंगे रूपों पर नरिभरता को न्यूनतम करना शामिल हो सकता है।
  - **नविशक ववश्वास:** वविकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन ववित्तीय स्थिरता और सतत विकास के प्रतसरकार की प्रतबिद्धता का संकेत देकर नविशक ववश्वास को बढ़ाता है।
  - **करेडिट रेटिंग:** कम राजकोषीय घाटा और अनुशासित राजकोषीय नीतियों से करेडिट रेटिंग में सुधार हो सकता है, जिससे सरकार और नजीक क्षेत्र दोनों के लिये उधार लेने की लागत कम हो सकती है।
- **आर्थिक स्थिरता:**
  - **मुद्रास्फीति नरिंत्रण:** सरकार घाटे का प्रबंधन कर अत्यधिक सार्वजनिक व्यय से उत्पन्न होने वाले मुद्रास्फीति संबंधी दबावों को कम कर सकती है।
  - **प्रोत्साहन प्रभावशीलता:** वविकपूर्ण राजकोषीय नीतियों यह सुनिश्चित करती हैं कि आर्थिक मंदी के दौरान प्रदान किया गया कोई भी राजकोषीय प्रोत्साहन प्रभावी सदिध हो और इससे दीर्घकालिक राजकोषीय असंतुलन पैदा न हो।
- **संतुलित बजट:** यह आर्थिक चक्र में सरकारी राजस्व और व्यय के बीच संतुलन प्राप्त करने का प्रयास करता है।
  - इसमें आर्थिक मंदी के दौरान विकास एवं रोज़गार को प्रोत्साहित करने के लिये बजट घाटा चलाना तथा ऋण को कम करने के लिये आर्थिक ववस्तार की अवधके दौरान अधशेष द्वारा इसे संतुलित करना शामिल हो सकता है।
- **पारदर्शिता और जवाबदेही:** राजकोषीय वविकशीलता नागरिकों और नविशकों के बीच ववश्वास के नरिमाण के लिये राजकोषीय नीतियों एवं अभ्यासों में पारदर्शिता बनाए रखती है।
  - सरकारी ववित्त की नयिमति लेखापरीक्षा और रपिरेटिंग जैसी जवाबदेही की व्यवस्थाएँ यह सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक हैं कि सार्वजनिक धन का कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए।

## बजट 2024 में राजकोषीय वविक और आर्थिक विकास के लिये सरकार की क्या रणनीतियाँ हैं?

- **राजस्व अनुमान और व्यय प्रबंधन:**
  - **राजस्व अनुमान:** सरकार ने ववित्त वर्ष 2023-24 के लिये 10.5% की नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर के मुकाबले 10.8% की कर राजस्व वृद्धि दर का अनुमान लगाया है।
    - इस सतर्क अनुमान का उद्देश्य आर्थिक अनश्चितताओं के बीच यथार्थवादी राजस्व लक्ष्य सुनिश्चित करना है।
  - **व्यय की गुणवत्ता:** राजस्व व्यय के सापेक्ष पूंजीगत व्यय बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस बदलाव का उद्देश्य उत्पादकता

बढ़ाना, दीर्घकालिक परसिंपत्तियों का निर्माण करना और प्रमुख अवसंरचना क्षेत्रों में विकास को प्रोत्साहित करना है।

- **संरचनात्मक सुधार और क्षेत्रवार फोकस:**
  - **क्षेत्रवार नविश (Sectoral Investments):** बजट 2024 अवसंरचना, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक नविश पर बल देता है।
    - ये नविश उत्पादकता, प्रतिसिपर्द्धात्मकता और समग्र आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिये महत्वपूर्ण हैं।
  - **नरियात संवर्द्धन:** वभिन्न क्षेत्रों में सीमा शुल्क में कमी का उद्देश्य नरियात प्रतिसिपर्द्धा को बढ़ावा देना और भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजारों में अधिक प्रभावी ढंग से एकीकृत करना है।
- **वित्तीय वकिकशीलता और बाजार स्थरिता:**
  - **वित्तीय क्षेत्र में सुधार:** बजट में नयामक ढाँचे को मज़बूत करने, पारदर्शिता बढ़ाने और वित्तीय बाजारों से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिये वित्तीय क्षेत्र में सुधारों की रूपरेखा प्रदान की गई है।
  - **बाजारोन्मुख नीतियाँ:** शुल्क (टैरिफि) को युक्तसिंगत बनाने और कारोबार सुगमता को बढ़ाने के उद्देश्य से लाई गई नीतियाँ नजी क्षेत्र के नविश और आर्थिक विकास के लिये अनुकूल वातावरण के निर्माण में योगदान करती हैं।
- **दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति:**
  - **प्रतिसिपर्द्धात्मकता और समानता:** नवीनतम **बजट घटक बाजारों (भूमि, श्रम एवं पूंजी)** में संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से भारत की वैश्विक प्रतिसिपर्द्धात्मकता को बढ़ाने के महत्त्व को रेखांकित करता है। इस रणनीति का उद्देश्य समतामूलक विकास को बढ़ावा देना और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना है।
  - **भूमि सुधार (जैसे भूमि अधिग्रहण कानून, भूमि स्वामित्व और पंजीकरण एवं पट्टा कानून), श्रम सुधार (जैसे श्रम कानूनों का संहिताकरण, सामाजिक सुरक्षा जाल) और पूंजीगत सुधार (जैसे वित्तीय क्षेत्र में सुधार, कर सुधार और नविश माहौल को सुगम बनाना)** पर बल दिया गया है।

## भारतीय अर्थव्यवस्था में वर्तमान आर्थिक चुनौतियाँ कौन-सी हैं?

- **वैश्विक आर्थिक अनश्चितता:**
  - **व्यापार प्रभाव:** वैश्विक व्यापार तनाव, भू-राजनीतिक अनश्चितताएँ और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की आर्थिक नीतियों में बदलाव भारत के नरियात प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं। उदाहरण के लिये, अमेरिका और चीन जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार तनाव तथा रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को बाधित किया है, जिससे भारत के नरियात-संचालित क्षेत्र प्रभावित हुए हैं।
  - **नविश प्रवाह:** भारत में **प्रत्यक्ष वदेशी नविश (FDI)** का प्रवाह वैश्विक आर्थिक स्थितियों से प्रभावित होता है। वैश्विक बाजारों में अनश्चितताओं के कारण FDI प्रवाह में अस्थिरता आ सकती है, जिसका असर वदेशी नविश पर निर्भर क्षेत्रों पर पड़ सकता है।
  - **पण्य/कमोडिटी मूल्य:** वैश्विक कमोडिटी मूल्य, विशेष रूप से कच्चे तेल एवं धातुओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव, भारत के आयात बलि और मुद्रास्फीति दरों को प्रभावित करते हैं। इससे घरेलू उपभोग पैटर्न और समग्र आर्थिक स्थिरता प्रभावित होती है।
- **घरेलू विकास में मंदी:**
  - **संरचनात्मक बाधाएँ:** अवसंरचनात्मक कमी, नौकरशाही की अक्षमताएँ और वनियामक जटिलताएँ आर्थिक विकास में बाधा उत्पन्न करती हैं। परियोजना कार्यान्वयन में देरी और अपर्याप्त लॉजिस्टिक्स अवसंरचना से वनिरमाण एवं नरियात प्रतिसिपर्द्धा प्रभावित होती है।
  - सुधारों के बावजूद, मौसम में उतार-चढ़ाव, अपर्याप्त अवसंरचना और बाजार पहुँच संबंधी समस्याओं के प्रतिकृषि क्षेत्र संवेदनशील बना हुआ है।
- **बेरोज़गारी और रोज़गार गुणवत्ता:**
  - **युवा बेरोज़गारी:** ILO की रिपोर्ट के अनुसार, बेरोज़गार शक्ति युवाओं का अनुपात वर्ष 2000 में 35.2 प्रतिशत से लगभग दोगुना होकर वर्ष 2022 में 65.7 प्रतिशत हो गया।
    - भारत की युवा आबादी में बेरोज़गारी की दर उच्च बनी हुई है, जो कौशल असंतुलन तथा औपचारिक क्षेत्रों में अपर्याप्त रोज़गार सृजन के कारण और भी बढ़ गई है।
  - **अनौपचारिक क्षेत्र का प्रभुत्व:** भारत का लगभग 90% कार्यबल असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है, जिसके पास रोज़गार सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा लाभ और कौशल विकास के अवसरों तक पहुँच का अभाव है।
- **राजकोषीय बाधाएँ:**
  - **राजकोषीय घाटा:** वित्त वर्ष 2023-24 के लिये राजकोषीय घाटे का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद का 6.8% अनुमानित है, जो राजस्व बाधाओं के बीच व्यय प्रबंधन के लिये सरकार के प्रयासों को परलिकषति करता है।
  - **सार्वजनिक ऋण स्तर:** भारत का सार्वजनिक ऋण-जीडीपी अनुपात बढ़ गया है (वर्ष 2022 में 81%), जिससे सार्वजनिक नविश और सामाजिक व्यय के लिये राजकोषीय अवसर सीमित हो गया है। उच्च ऋण स्तर व्यापक आर्थिक स्थिरता और ऋण संवहनीयता के लिये जोखिम पैदा करते हैं।
  - **राजस्व जुटाना:** कर संग्रह को बढ़ाने और कर आधार को व्यापक बनाने के प्रयास (राजकोषीय अनुशासन से समझौता किये बिना) राजकोषीय घाटे को कम करने और विकास प्राथमिकताओं के वित्तपोषण के लिये महत्वपूर्ण हैं।

## भारतीय अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार के लिये कनि सुधारों की आवश्यकता है?

- **व्यापार साझेदारी और 'हेजगि' रणनीतियों का वविधीकरण:** कसि क्षेत्र विशेष पर नरिभरता को कम करने के लिये अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया जैसे वविधि बाजारों में नरियात अवसरों का वसितार किया जाए। नए नरियात अवसरों के लिये ब्राज़ील और वयितनाम जैसे देशों के साथ संबंधों को सुदृढ़ किया जाए।
  - स्थरि कारोबारी माहौल और पूरवानुमानित नीतियों को सुनश्चित कर नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटल अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक FDI आकर्षित करने के प्रयास जारी रखे जाएँ।



**??????:**

प्रश्न. पूंजी बजट और राजस्व बजट के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिये। इन दोनों बजटों के संघटकों को समझाइये। (2021)

प्रश्न. क्या आप इस मत से सहमत हैं कि सकल घरेलू उत्पाद की स्थायी संवृद्धि तथा नमिन मुद्रास्फीति के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है? अपने तर्कों के समर्थन में कारण दीजिये। (2019)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/budget-2024-fiscal-prudence-and-strategic-investments>

